





XXXIX(a)-BR (H)-11

राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश-ग्वालियर

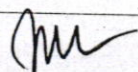
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ .....

प्रकरण क्रमांक 3421-एक/2016 निगरानी

जिला छतरपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों तथा अभिभाषकों के हस्ता.
4-10-16	<p>अनुविभागीय अधिकारी, राजनगर, जिला टीकमगढ़ द्वारा प्रकरण क्रमांक 103/अ-2/2014-15 में पारित आदेश दिनांक 31-8-16 तथा इसी प्रकरण पर से दायर पुनरावलोकन प्रकरण क्रमांक 303/215-16 में पारित आदेश दिनांक 23-9-16 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि महिला कृष्णादेवी पत्नि विश्वास कुमार गुप्ता निवासी सेवाग्राम खजुराहो तहसील राजनगर ने उसके स्वामित्व की खजुराहो स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 322/2/1 रकबा 0.330 हैक्टर के अंश भाग 0.010 आरे पर निर्माण कार्य कराया, जिस पर से हलका पटवारी ने अनुविभागीय अधिकारी, राजनगर को रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताया कि आवेदिका द्वारा बिना व्यपवर्तन के निर्माण कार्य किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी खजुराहो ने प्रकरण क्रमांक 103/अ-2/2014-15 पंजीबद्ध किया तथा आवेदिका को सुनवाई हेतु सूचना पत्र जारी किया। तदुपरांत आदेश दिनांक 31-8-16 पारित करके पूर्वदिश दिनांक 24-5-16 से अधिरोपित अर्थदण्ड 21,468/-रु. यथावत् रकम देकर हुये भूमि को 15 दिवस के भीतर मूल रूप में लाने तथा निर्मित संरचना हटाने के आदेश दिये। इस आदेश के विरुद्ध आवेदिका ने अनुविभागीय अधिकारी, राजनगर, जिला</p>	





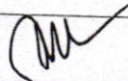


प्र0क03421-एक/2016 निगरानी

टीकमगढ़ के समक्ष पुनरावलोकन प्रकरण क्रमांक 303/215-16 दायर कराया, जिसमें पारित आदेश दिनांक 23-9-16 से पुनरावलोकन आवेदन अमान्य किया गया। इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी प्रस्तुत की गई है।

3/ आवेदिका के अभिभाषक एवं म0प्र0शासन के पैनल लायर के तर्क सुने तथा प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।

3/ आवेदिका के अभिभाषक ने तर्कों में बताया कि अनुविभागीय अधिकारी राजनगर के समक्ष संहिता की धारा 172(1) के तहत आवेदन देने पर प्रकरण नंबर 5/अ-2/95-96 में पारित आदेश दिनांक 30-10-95 से विवादित भूमि का पूर्व में ही डायवर्सन हो चुका है किन्तु शासकीय अभिलेख में अमल न करने के कारण उपरोक्त स्थिति निर्मित हुई है, जब अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष प्रकरण नंबर 5/अ-2/95-96 में पारित आदेश दिनांक 30-10-95 की प्रमाणित प्रतिलिपि की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किये, उन्होंने इन दस्तावेजों को साक्ष्य में ग्राह्य न करने की भूल की है। उन्होंने निगरानी स्वीकार किये जाने की प्रार्थना की। शासन के पैनल लायर ने तर्कों में बताया कि अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष प्रकरण नंबर 5/अ-2/95-96 में पारित आदेश दिनांक 30-10-95 की प्रमाणित प्रतिलिपि की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किये गये हैं, वह अपठनीय एवं सुसंगत न होने से साक्ष्य में ग्राह्य योग्य नहीं है उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी के





XXXIX(a)-BR (H)-11

राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश-ग्वालियर

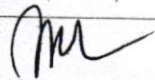
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ .....

प्रकरण क्रमांक 3421-एक/2016 निगरानी

जिला छतरपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों तथा अभिभाषकों के हस्ता.
	<p>आदेश को सही होना बताते हुये निगरानी निरस्त करने की मांग की।</p> <p>4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं प्रस्तुत अभिलेख के अवलोकन से यह निर्विवाद है कि आवेदिका द्वारा प्रकरण क्रमांक 5/अ-2/95-96 में पारित आदेश दिनांक 30-10-95 से वाद विचारित भूमि का मद परिवर्तन होना बताया गया है एवं यह प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी के न्यायालय का है। अनुविभागीय अधिकारी राजनगर के प्रकरण क्रमांक 303/2015-16 में पारित आदेश दिनांक 23-9-16 के अवलोकन पर वस्तुस्थिति यह है कि उन्होंने आदेश दिनांक 23-9-16 से पुनरावलोकन आवेदन इसलिये अमान्य किया है कि प्रकरण क्रमांक 5/अ-2/95-96 में पारित आदेश दिनांक 30-10-95 की आवेदिका ने जो छायाप्रति प्रस्तुत की है वह अस्पष्ट व अपठनीय है जबकि प्रकरण क्रमांक प्रकरण क्रमांक 5/अ-2/95-96 अनुविभागीय अधिकारी राजनगर के न्यायालय का है एवं उनका दायित्व था कि वह अभिलेख से मूल प्रकरण मँगाते एवं अवलोकन उपरांत आदेश पारित कर पक्षकार को निष्पक्ष न्याय प्रदान करते, किन्तु उनके द्वारा पदीय दायित्वों का भलीभाँति निर्वहन न करते हुये प्रकरण में अनुदारतापूर्वक कार्य कर निर्णय लिया है जिसके कारण</p>	

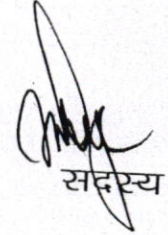
R. ASL





प्र0क03421-एक/2016 निगरानी  
अनुविभागीय अधिकारी, राजनगर , जिला टीकमगढ़ द्वारा  
प्रकरण क्रमांक 103/अ-2/2014-15 में पारित आदेश  
दिनांक 31-8-16 तथा पुनरावलोकन प्रकरण क्रमांक  
303/215-16 में पारित आदेश दिनांक 23-9-16 त्रुटिपूर्ण  
होने से निरस्त किये जाने योग्य हैं।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अनुविभागीय  
अधिकारी, राजनगर , जिला टीकमगढ़ द्वारा प्रकरण क्रमांक  
103/अ-2/2014-15 में पारित आदेश दिनांक 31-8-16  
तथा पुनरावलोकन प्रकरण क्रमांक 303/215-16 में पारित  
आदेश दिनांक 23-9-16 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किये जाते  
हैं एवं निगरानी स्वीकार की जाती है।

  
सदस्य

P/S